**काल परिवर्तन हिंदी व्याकरण | kal parivartan hindi grammar class 12**

१)

(१) वह पथ के संकट को सहता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(२) राह में अँधेरा है। (सामान्य भविष्यकाल)

(३) नर-नारी साथ निकलेंगे। (पूर्ण भूतकाल)

(४) मैं इसे भूमि पर सँभालूँगा। (सामान्य वर्तमानकाल)

(५) मैं वहाँ जाकर मौसी को देख कर अति दुखी हो गया। (पूर्ण भूतकाल) **(मार्च २३)**

**उत्तर :**

(१) वह पथ के संकट को सह रहा है।

(२) राह में अँधेरा होगा।

(३) नर-नारी साथ निकले थे।

(४) मैं इसे भूमि पर सँभालता हूँ।

(५) में वहाँ जाकर मौसी को देख कर अति दुखी हो गया था।

---

२)

(१) वे सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखते थे। (सामान्य वर्तमानकाल)

(२) हर एक राही को भटक कर दिशा मिलती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(३) अनहद नाद का वाद्य बज रहा है। (सामान्य भविष्यकाल)

(४) वह पंथ भूलकर नहीं रुकता है। (पूर्ण भूतकाल)

(५) मुझे क्षणभर के लिए चौंका दिया था। (सामान्य भूतकाल)। **(मार्च २२)**

**उत्तर :**

(१) वे सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखते हैं।

(२) हर एक राही को भटक कर दिशा मिल रही थी।

(३) अनहद नाद का वाद्य बजेगा।

(४) वह पंथ भूलकर नहीं रुका था।

(५) मुझे क्षणभर के लिए चौंका दिया।

---

(३)

(१) श्रद्धा भक्त की सबसे बड़ी भेंट होगी। (पूर्ण भूतकाल)

(२) उनके अस्त-व्यस्त जीवन को व्यवस्थित करने के असफल प्रयासों का स्मरण कर मुझे आज भी हँसी आ जाती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(३) होनहार पौधों के पत्ते चिकने होते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(४) बैजू बावरा की उँगलियाँ सितार पर दौड़ रही थीं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(५) सत्य का मार्ग सरल है। (सामान्य भविष्यकाल)

**उत्तर :**

(१) श्रद्धा भक्त की सबसे बड़ी भेंट थी।

(२) उनके अस्त-व्यस्त जीवन को व्यवस्थित करने के असफल प्रयासों का स्मरण कर मुझे आज भी हँसी आ रही थी।

(३) होनहार पौधों के पत्ते चिकने होंगे।

(४) बैजू बावरा की उँगलियाँ सितार पर दौड़ रही हैं।

(५) सत्य का मार्ग सरल होगा।

---

(४)

(१) पंत के साथ तो रास्ता कम अखरता था। (सामान्य भविष्यकाल)

(२) आईना भला-बुरा बता देता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(३) काठ की हाँड़ी दुबारा नहीं चढ़ेगी। (सामान्य वर्तमानकाल)

(४) अनहद नाद का वाद्य बज रहा है। (सामान्य वर्तमानकाल)

(५) मुकदमा दरबार में पेश होता है। (सामान्य भूतकाल)

**(जुलाई २२)**

**उत्तर :**

(१) पंत के साथ तो रास्ता कम अखरेगा।

(२) आईने ने भला-बुरा बता दिया है।

(३) काठ की हाँड़ी दुबारा नहीं चढ़ती।

(४) अनहद नाद का वाद्य बजता है।

(५) मुकदमा दरबार में पेश हुआ।

---

५)

(१) मंदिर के शिखर पर कौआ बैठा है। (पूर्ण भूतकाल)

(२) हम अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(३) शॉ के इन शब्दों में अहंकार की पैनी धार है। (सामान्य भविष्यकाल)

(४) आईना भला-बुरा बता देता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(५) उद्विग्नता और अधीरता से गगनयुद्ध के समय की प्रतीक्षा की है।(अपूर्ण भूतकाल) **(सितंबर '२१)**

**उत्तर :**

(१) मंदिर के शिखर पर कौआ बैठा था।

(२) हमने अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाया था।

(३) शॉ के इन शब्दों में अहंकार की पैनी धार होगी।

(४) आईने ने भला-बुरा बता दिया है।

(५) उिद्वग्नता और अधीरता से गगन युद्ध के समय की प्रतीक्षा कर रही थी।

---

(६)

(१) इसे वे क्यों नहीं बदल पाए ? (सामान्य वर्तमानकाल)

(२) सुधारक का सत्य निंदा की रगड़ से और भी प्रखर हो जाता है।(अपूर्ण भूतकाल)

(३) यात्रा की तिथि भी आ गई। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(४) वह बार-बार पुकारता था। (सामान्य भविष्यकाल)

(५) इसकी भी मौत आ गई। (पूर्ण वर्तमानकाल) **(सितंबर '२१)**

**उत्तर)**

(१) इसे वे क्यों नहीं बदल पाते?

(२) सुधारक का सत्य निंदा की रगड़ से और भी प्रखर हो रहा था।

(३) यात्रा की तिथि भी आ गई है।

(४) वह बार-बार पुकारेगा।

(५) इसकी भी मौत आ गई है।